ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ।

www.awgp.org

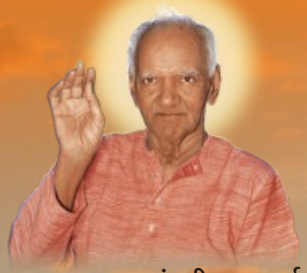

पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

माता भगवती देवी शर्मा

कन्याकुमारी

अश्वमेध गायत्री महायज्ञ

(राष्ट्र को समर्थ, सशक्त एवं समृद्धशाली बनाने हेतु महान आध्यात्मिक प्रयोग)

28 से 31 जनवरी 2016

स्थानः विवेकानंद केन्द्र, कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

आयोजकः अखिल विश्व गायत्री परिवार, दक्षिण भारत जोन

स्वामी विवेकानंद जी ने स्वर्णिम भारत का जो सुन्दर स्वप्न देखा, उस स्वप्न को साकार करने हेतु युगऋषि पं.श्रीराम शर्मा आचार्य जी एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी के सूक्ष्म संरक्षण में **अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार** ने कन्याकुमारी की पावन भूमि में **अश्वमेध गायत्री महायज्ञ** करने का संकल्प लिया है।

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

संपर्क सूत्र : 9446636542, 9388639372, 9387620863 • agmk@awgp.in

आश्वमेधिक यज्ञानुष्ठान

अश्वमेध यज्ञानुष्ठान एक दिव्य पुरुषार्थ है, जो श्रेष्ठ भावना एवं श्रेष्ठ विचारणा के बिना नहीं हो सकता। यज्ञीय पुरुषार्थ के लिए व्यापक स्तर पर यज्ञीय भावना का विकास-विस्तार अनिवार्य होता है। महायज्ञ फलित करने के लिए उच्चस्तर के स्थूल पुरुषार्थ करने पड़ते हैं और सूक्ष्म जगत के शक्ति प्रवाहों को भी अनुकूल करना पड़ता है।

सूक्ष्म जगत् की अनुकूलता के दो ही स्रोत शास्त्रों में कहे गए हैं- **दैवी अनुग्रह** एवं **साधनात्मक पुरुषार्थ**। दोनों में से साधनात्मक पुरुषार्थ ही मनुष्य के अधिकार क्षेत्र में है। अगर यह पुरुषार्थ व्यापक स्तर पर किया जाय तो दैवी अनुग्रह भी उसके साथ स्वभावतः जुड़ जाता है। इसलिए यज्ञीय प्रयोजनों के लिए स्थूल व्यवस्था में भी साधनात्मक पुरुषार्थ की आवश्यकता होती हैं।

इसी क्रम को ध्यान में रखते हुए, दक्षिण भारतीय परिजनों ने **42 वें अश्वमेध गायत्री महायज्ञ** के लिए 24-24 लाख के **54 महापुरश्चरण** करने का संकल्प लिया है। इस संकल्प में आप भी अपने पुरुषार्थ का सहयोग दे कर इस पुण्यदायी महाअनुष्ठान में सहभागी बनें। इस अनुष्ठान को पति-पत्नी एक साथ मिलकर भी आधा-आधा कर सकते है।

नये परिजनों को भी आप प्रतिदिन एक, दो, तीन माला गायत्री मंन्त्र जप, 24 मंन्त्र लेखन या गायत्री चालीसा पाठ साथ ही प्रतिदिन कम से कम एक मुट्ठी अन्न या 1 रुपये का अंशदान करने हेतु सहमत कर सकते हैं। अखण्ड ज्योति मासिक पत्रिका के लिए सदस्यों को प्रोत्साहित करके उन्हें भी ईश्वर के इस आयोजन में सम्मिलित करके महापुण्य में सहभागी बना सकते हैं।

इसी श्रृंखला का प्रथम अनुष्ठान 24 जनवरी 2015 वसंत पञ्चमी से प्रारंभ हो चुका है। अश्वमेध गायत्री महायज्ञ की सफलतार्थ साधकों के आए अनुष्ठान श्रृखंला इस प्रकार है यथाः-

तारीख (24 जनवरी 2015 से)	दिन	घण्टे प्रतिदिन	गायत्री मंत्र जप	गायत्री मंत्र लेखन	गायत्री चालीसा पाठ
01 फरवरी 2015 तक	9 दिन	3 घण्टे	24 हजार	2,400	240
10 फरवरी 2015 तक	18 दिन	3 घण्टे	54 हजार	5,400	540
4 मार्च 2015 तक	40 दिन	3 घण्टे	1.25 लाख	12,500	1,250
24 मार्च 2015 तक	60 दिन	3 घण्टे	1.25 लाख	12,500	1,250
13 अप्रैल 2015 तक	80 दिन	3 घण्टे	1.25 लाख	12,500	1,250
23 मई 2015 तक	120 दिन	3 घण्टे	1.25 लाख	12,500	1,250

अनुष्ठान श्रृंखला सूची

पहला अनुष्ठान	**24 जनवरी 2015**
दूसरा अनुष्ठान	**05 मार्च 2015**
तीसरा अनुष्ठान	**14 अप्रैल 2015**
चौथा अनुष्ठान	**24 मई 2015**
पाँचवाँ अनुष्ठान	**03 जुलाई 2015**
छठा अनुष्ठान	**12 अगस्त 2015**
सातवाँ अनुष्ठान	**21 सितम्बर 2015**
आठवाँ अनुष्ठान	**31 अक्टूब र 2015**
नववाँ अनुष्ठान	**10 दिसम्बर 2015**

पंजीकरण हेतुः E-mail: gayatriashwamedha@gmail.com • **Mobile:** +919686451458, +919686451459

कन्याकुमारी अश्वमेध गायत्री महायज्ञ की सफलता के लिए नियमित गायत्री मन्त्र जप और अन्नदान करें या आर्थिक सहयोग हेतु अंश दान निम्न लिखित बैंक खाते में जमा कराएँ तथा उसकी पे-इन स्लिप इ-मेलः agmk@awgp.in या पोस्ट द्वारा शन्तिकुंज, हरिद्वार-249411 (उत्तराखंड) के पते पर अपने पूरे पते के साथ भेज दें, ताकि आपको उसकी रसीद भेजी जा सके। वेदमाता गायत्री ट्रस्ट के बैंक खाते नं.-

VEDMATA GAYATRI TRUST

Axis Bank Rishikesh Branch A/C No.: 156010100013846 **IFSC:** UTIB0000156

SBI Haridwar Branch A/C No.: 10876858311 **IFSC:** SBIN0002350

तत्वावधान गायत्रीतीर्थ-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार- 249411(उत्तराखण्ड)

Ph.: 01334-260602, Fax-01334-260866, 9258369473 • **E-mail:** south@awgp.in